

स्पेसएक्स का फॉल्कन हेवी रॉकेट

चर्चा में क्यों?

हाल ही में अमेरिकी कंपनी स्पेसएक्स (SpaceX) ने 24 प्रायोगिक उपग्रहों के साथ अपने शक्तिशाली 'फॉल्कन हेवी' रॉकेट को पुनः लॉन्च किया है।

प्रमुख बिंदु

- इसके नीतभार/पेलोड्स को विभिन्न सहयोगियों के माध्यम से संकलित किया गया है, जिसमें विश्वविद्यालय अनुसंधान परियोजनाओं के अलावा राष्ट्रीय महासागरीय और वायुमंडलीय प्रशासन (National Oceanic and Atmospheric Administration-NOAA) और नासा (NASA) शामिल हैं।
- फॉल्कन हेवी, को अमेरिकी स्पेसएक्स कंपनी दुनिया का सबसे शक्तिशाली परचालन रॉकेट मानती है। क्योंकि यह दो दर्ज़न अंतरिक्ष यानों को अंतरिक्ष के तीन अलग-अलग कक्षाओं में ले जाने में सक्षम है।
- कंपनी एक साथ फॉल्कन हेवी के दो बूस्टरों को पृथ्वी पर वापस लाने का प्रयास करेगी। रॉकेट के पहले चरण के अंतर्गत समुद्र में एक ड्रोन जहाज़ पर उतारेगा, जो इसके प्रक्षेपण स्थल से लगभग 770 मील की दूरी पर स्थित है।
- स्पेसएक्स ने पहली बार फरवरी 2018 में 230-फुट लंबे (70-मीटर) फॉल्कन हेवी को अंतरिक्ष में भेजा था। इसके पश्चात वर्ष 2019 के अप्रैल माह में, उसने अपने पहले ग्राहक, सऊदी अरब के वाणिज्यिक उपग्रह ऑपरैटर अरबसैट (Arabsat) के लिये फॉल्कन हेवी लॉन्च किया।
- स्पेसएक्स एक नज़ी कंपनी है, जिसकी स्थापना वर्ष 2002 में एलन मस्क ने की थी। इसका मुख्यालय हॉथोर्न, कैलिफोर्निया (U.S.A) में स्थित है।

फॉल्कन हेवी में नासा के प्रमुख प्रौद्योगिकी मशिन और महत्वपूर्ण पेलोड्स

- **डीप स्पेस एटॉमिक क्लॉक (Deep Space Atomic Clock):** यह अंतरिक्षयान में प्रयुक्त ऐसी प्रौद्योगिकी है जो यान को अंतरिक्ष में स्वायत्त तरीके से दिशा-निर्देशों के पालन में मदद करेगा।
- **ग्रीन प्रोपेलेंट इन्फ्यूज़न मशिन (Green Propellant Infusion Mission):** रॉकेट ईंधन का परीक्षण करने के लिये एक छोटा उपग्रह जो पर्यावरण के अनुकूल है।

स्रोत: बज़िनेस स्टैण्डर्ड